



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उत्तर-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

19/87

सं. 304]
No. 304]

नई दिल्ली, युक्तवार, जून 9, 1989/ज्येष्ठ 19, 1911

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 9, 1989/JAISTHA 19, 1911

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्याएँ आती हैं जिससे कि यह असम संकलन के लिए में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

बल-भूतल परिवहन बंगालग

(प्रकाशन पत्र)

भ्रष्टसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1989

सा.का.मि. 610(अ) :—केन्द्र सरकार, महाप्रतीक्षा व्यापार अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धाय 132 की उल्लंघन (1) के साथ उठित धाय 124 की उल्लंघन (1) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता पतन न्यायी मंडल द्वारा बताए गए और इस भ्रष्टसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कलकत्ता पतन न्याय कर्मचारी (विकिला मेंवा और इनाज) विनियम, 1989 का अनुमोदन करते हैं।

2. उक्त विनियम, इस भ्रष्टसूचना के सरकारी दस्तावेज में प्रकाशित की जारी रखे जाएंगे।

अनुसूची

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (विकिला मेंवा और इनाज)
विनियम, 1989

भ्रष्टसूचना—I प्रारम्भ

प्रारम्भक.—महा पतन न्याय अधिनियम 1963 (1963 का अधिनियम 38) की धाय 124 के साथ उठित धाय 28 द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता पतन न्यायी मंडल द्वारा विनियम अर्थात् कलकत्ता पतन न्याय कर्मचारी (विकिला मेंवा और इनाज) विनियम, 1989 बनाया है।

विनियम-1—महिला नाम :—इस विनियमों का संभिल नाम कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (विकिला मेंवा और इनाज) विनियम, 1989 है।

विनियम-2—प्रयुक्ति विवर :—ये विनियम भ्रष्टसूचना IV में अनुदित का छोड़कर कर्मचारी पोर्ट ट्रस्ट के नियम मध्यन के उत्तर सभी कर्मचारियों पर लागू होता जो कलकत्ता पोर्ट के न्यायी मंडल के पूर्ण कानूनिक

कर्मचारी हैं, जब वे काम पर हों, छुट्टी पर हों या सात्र में विदेशों सेवा में हों या जब निलम्बित हों। अध्याय IV में भूत्तविष्ट विनियम (अध्याय 16, 17, 18 एवं 19) सेवा नियूस कर्मचारियों पर लागू होते हैं।

टिप्पणी-1:—ये विनियम निम्नलिखितों पर लागू नहीं होते:—

- (i) कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के वे कर्मचारी जो छुट्टी पर हैं या विदेश में प्रतिनिधि वित पर हैं;
- (ii) ये विनियम निम्नलिखितों पर लागू होते हैं:—
- (क) कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के वे कर्मचारी जो कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के सेवा के अन्तर्गत पुनर्नियुक्ति पर हैं, सेवा नियूस के समय वे चाहे जिस सेवा में हों का विवार किए जिनके;
- (ख) परिवेशाधीन।
- (ग) वे शिक्षिक जो कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के पूर्ण कार्यालय सेवा में हैं।

टिप्पणी—2—कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल का कर्मचारी जब प्रतिनियुक्ति पर हो तब उसे चिकित्सा रिफर्में उगार सीठा के विनियमों द्वारा नियंत्रित होता है। फिर भी यदि उगार सीठा जाए तो प्रतिनियुक्ति कर्मचारी पर कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के विनियमों को भी लागू कर सकता है।

टिप्पणी-3—इन विनियमों में यथा निर्धारित ऐसी गति या अपनायें के अधीन कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के कर्मचारियों को इन विनियमों के अन्तर्गत स्वीकृत दियायते उनके परिवारों पर भी लागू होती है।

विनियम-3-परिवारों:—इन विनियमों में जब तक प्रसंग से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

- (क) “बोर्ड” से कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल अभियन्त्रित होता है।
- (ख) “अध्यक्ष” से कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के तत्त्वमय के अध्यक्ष अभियन्त्रित होते हैं।
- (ग) “उपाध्यक्ष” से कलकत्ता पतन न्यासी मण्डल के समय के उपाध्यक्ष अभियन्त्रित होते हैं।
- (घ) “प्राधिकृत चिकित्सा परिवारों” से मुख्य चिकित्सा अधिकारी या मुख्य चिकित्सक, मुख्य सर्जन या चिकित्सा अधीक्षक, एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी या कर्मचारी या उसके आधिकृत परिवार के सदस्यों को परिवर्यात् तथा उनके इलाज के प्रयोगन के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा यथा नामांकित बोर्ड को सेवा के अधीन कोई चिकित्सा अधिकारी अभियन्त्रित होते हैं।
- (ङ) “मुख्य चिकित्सा अधिकारी” से बोर्ड के मुख्य चिकित्सा अधिकारी या उसके पक्ष में कोई अन्य प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी अभियन्त्रित होता है।
- (च) “बोर्ड का अस्पताल” से बोर्ड द्वारा अनुरक्षित अस्पताल या इकाइयां अभियन्त्रित होता है।
- (छ) “नर्स” से अहंक नर्स, जिसे राज्य चिकित्सा संकाय के अधीन पंजीकृत प्रमाणन्त्रय या डिप्लोमा प्राप्त है, अभियन्त्रित होता है।
- (ज) “वैयक्तिक डॉक्टर” से बोर्ड को सेवा में रत चिकित्सा अधिकारी से दिए पंजीकृत चिकित्सा अवश्यायी, जो एनोपेंटी द्वारा प्रणाली अनुकूल हो, लेकिन इसमें आयुर्वेदिक अवश्यायी, यूग्मी या ह्रोम्योपैथिक तथा द्वारा कोई मन्य देशी प्रणाली शामिल नहीं है, अभियन्त्रित होता है।

(झ) “लोक अस्पताल” से राज्य अस्पताल या राज्य मद्र ग्रामीण अस्पताल अभियन्त्रित होता है।

(झ) किसी प्राधिकृत चिकित्सा परिवारी के संबंध में चिकित्सा परिवर्यात् से अपने परामर्श करने से या बोर्ड के अस्पताल या द्वारा द्वारा चिकित्सा विदेशी विदेशी कर्मचारी के आवास पर, रोग निशान के प्रयोगन के लिए रोग विदान, जीव एवं जीव विदान, चिकित्सा विदान या जीव के अन्य प्रणालीयों सहित जैसा कि बोर्ड अस्पताल या आपशालय या परामर्श कक्ष में उपलब्ध हो और जा प्राधिकृत चिकित्सा परिवारी द्वारा आवास क समझ जाय अभियन्त्रित है। इसमें चिकित्साओं से परामर्श शामिल है, जिसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी आवश्यक होने संबंधी प्रभावित करते हैं तथा जिसे विवेक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के परामर्श से निर्धारित करते हैं।

टिप्पणी 1—“चिकित्सा परिवर्यात्” में बोर्ड के अस्पताली द्वारा जाना में या बोर्ड के कर्मचारी के आवास पर या प्राधिकृत चिकित्सा परिवारी के परामर्श कक्ष में, जाहे जह अस्पताल में हो या उसके आवश्यक स्वरूप करने हैं।

टिप्पणी 2—“अस्पताल में प्राविहानिक विविहा करना अनुरक्षित गति” गति में प्राविहानिक विविहा के द्वारा जाना में या बोर्ड के कर्मचारी के आवास पर या प्राधिकृत चिकित्सा परिवारी के परामर्श कक्ष में जाहे जह अस्पताल में हो या उसके आवश्यक स्वरूप करने हैं।

टिप्पणी 3—जब कोई दोगी किसी आस बीमारी से अड़ा हो जाने के बाद किसी भी बीमारी से प्रस्त हो जाता है और किसी डॉक्टर से परामर्श करता है तो वह परामर्श “नया परामर्श” होता तथा उसे पूरे दर पर प्रभारित किया जायेगा।

टिप्पणी 4—जब कोई दोगी किसी आस बीमारी के अधिकारीन के संबंध में उसी डॉक्टर से परामर्श करता है तब वह परामर्श नया परामर्श कहा जायेगा तथा उसके लिए उसे पूरे दरों पर प्रभारित किया जायेगा।

(द) “रोगी” से बोर्ड के कर्मचारी जिन पर ये विनियम लागू होते हैं तथा जो बीमार पड़ जायें, अभियन्त्रित होते हैं।

(ङ) “बाहु चिकित्सा सेवा द्वारा द्वारा” से बोर्ड के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अधीन इकाई जिसमें बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी शामिल है, जो कर्मचारियों द्वारा उनके परिवार के सदस्यों का उनके आवास पर परिवर्या करते हैं, अभियन्त्रित होता है।

(ज) “अस्पताल प्रभार” से अस्पताल द्वारा कर्मचारी से अन्तरण भरीज बास में इलाज के लिए निर्धारित दर पर बसूल किए जाये बास्तविक राशि अभियन्त्रित होती, जिसमें रोग विदान और, जीवाणु विदान, चिकित्सा विदान जाते तथा वैयक्तिक नस/परिवारी की लगत जैसा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर अवश्यक की जायें।

अध्याय-II—चिकित्सा सुविधाओं का विवर

विनियम-4:—चिकित्सा परिवर्यात् की सुविधाएँ:—कोई भी कर्मचारी प्राधिकृत चिकित्सा परिवारी द्वारा मुफ्त चिकित्सा परिवर्यात् का हक्कदार होता है।

वे कर्मचारी जो बोर्ड के स्वाक्षरों में रहते हैं या अन्य क्षेत्रों में जिन्हें समय समय पर अधिसूचित किया जाये, बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्राप्त आवास पर चिकित्सा परिवर्यात् के हक्कदार होते हैं। जब उनकी बीमारी इतनी गंभीर होती कि वे बोर्ड के किसी अस्पताल या औषधालय में जाने असमर्थ होते हैं।

आपात मामलों में जब तक कि बोर्ड का कोई एक चिकित्सा अधिकारी भासले का भार नहीं लेता, तब तक कि किसी वैयक्तिक डॉक्टर को बुलाया जा सकता है, लेकिन चिकित्सा परिचर्या के लिए किया गया खर्च की बापसी इस शर्त पर की जायेगी कि मामले की रिपोर्ट द्वारा विकित्सा सेवा इकाई को यथा संभव शीघ्रतम अवसर में दी गयी हो, और किसी भी हालत में वैयक्तिक डॉक्टर के बुलाने के 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट दी जाये। वैयक्तिक डॉक्टर की आधी फीस जो अधिकतम 10/- रु. प्रतिविन द्वारा अधिक न हो या ऐसी राशि जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर मंजूर की जाये, जिसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रमाणन पर बोर्ड द्वारा प्रतिपूर्ति किया जायेगा।

(iii) वे कर्मचारी जो न तो बोर्ड के क्वार्टरों में रहते हैं और न ही उपर्युक्त उप विनियम (ii) में उल्लिखित लेनों में ही रहते हैं वे अपने आवास पर अपनी पसंद ~ वैयक्तिक डॉक्टर की सेवा लेने के हकदार होंगे, यदि उनकी बीमारी इतनी कठिन हो कि वे बोर्ड के किसी अस्पताल या दबावानाम में जाने में असमर्थ हों। बीमारी की गंभीरता के संबंध में कोई संदेह हो तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी की राशि ही अनियम होगी। ऐसे भासलों में वैयक्तिक डॉक्टर की आधी फीस जो कि 10/- रु. प्रतिविन से अधिक नहीं होगी या जैसाकि अवश्य द्वारा समय-समय पर संयोगित किया जाये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित करने पर बोर्ड द्वारा प्रतिपूर्ति किया जायेगा।

(iv) जब कोई कर्मचारी स्वयं किसी बीमारी से पीड़ित हो जिससे काम से अनुपस्थित होना आवश्यक नहीं है, तब वह बोर्ड अस्पताल या दबावानाम के बहिरंग रोगी बाईं में अपनी इलाज करायेगा।

(ट) “नसिंह होम प्रभार” से कर्मचारी से आवास, दबा, नसिंह, ऐसे रोग विज्ञान, जीवाणु विज्ञान, विकिरण चिकित्सा विज्ञान, हृदय संबंधी जांच, जैसाकि ग्यासी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्राधिकृत हो, के लिए नसिंह होम द्वारा अनुसूचित दरों पर बसूल की गयी वास्तविक राशि अभिप्रेत होगी।

(ग) “इलाज” से बोर्ड अस्पताल जिसमें कर्मचारी के रोग का उपचार होता है और जिसमें निम्नलिखित शामिल है, में उपलब्ध सभी चिकित्सा तथा शल्य सुधिकारों के उपयोग अभिप्रेत होंगे।

(i) ऐसे रोग विज्ञान, जीवाणु, विज्ञान, हृदय विज्ञान की सेवा या अन्य प्रणाली जिन्हें प्राधिकृत चिकित्सा परिचारी आवश्यक समझें।

(ii) ऐसी दबाएं, टीका शिरा अथवा आरोग्य पदार्थ का आपूर्ति जैसा कि सामान्यतः बोर्ड अस्पताल में उपलब्ध हो।

(iii) यद्यपि प्राधिकृत चिकित्सा परिचारी रोगी के स्वास्थ्य लाभ के लिए या रोगी की हालत में गंभीर खराबी को रोकने के लिए निम्नलिखित भवों को छोड़कर ऐसी दबाएं, टीका, शिरा अथवा आरोग्य पदार्थ जो कि सहज उपलब्ध नहीं है की आपूर्ति के लिए लिखित रूप में प्रमाणित करेंगे।

(क) वे सम्पादक जो दबा नहीं है लेकिन जो प्राथमिक रूप से व्याध पुष्टिकारक, प्रक्षादन सम्पादक या रोगाणुनाशी, तथा

(ख) कीमती दबाएं, पुष्टिकारक, सारक या अन्य सुखिपूर्ण तथा स्वामित्व सम्पादक जिसके लिए समान मूल्य की दबाएं उपलब्ध हों।

(ग) ऐसा स्थान जैसाकि सामान्यतः अस्पताल में दिया जाता है।

(घ) ऐसी एनिंग जैसाकि बोर्ड अस्पताल में अस्तः रोगियों को सामान्यतः दिया जाता है।

टिप्पणी 1. इन विनियमों के अन्तर्गत परिचारी आया सहित के प्रभार प्रतिपूर्ति योग्य नहीं है।

टिप्पणी 2. गंभीर भासलों में अस्पताल/या नसिंह होम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अनुमति से वैयक्तिक नसी/परिचारी को रखा जा सकता है। यह मुख्य चिकित्सा अधिकारी के भर्ती पर होगा कि वह आपात मामलों में परवर्ती अनुबंध की अनुमति दें। वैयक्तिक नसी/परिचारिकाओं के रखने को लागत विनियम 11(ग) (ग) में, यथा अवश्य, की सीमा में बोर्ड द्वारा बहन किया जायेगा, बास्ते कि ऐसी नियुक्ति मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो।

विनियम 5 : चिकित्सा उपचार की मुद्रिधारण :—बोर्ड का कोई भी कर्मचारी मुफ्त उपचार का हकदार होगा तथा उपचार :—

(i) बोर्ड के किसी अस्पताल/दबावानाम में बाटाने का हकदार होगा। अस्तः रोगी बाईं में कर्मचारी भर्ती किए जायेंगे, लेकिन कर्मचारी के परिवार के सदस्यों को भी भर्ती किया जा सकता है बास्ते कि यथा आती मिले। अस्थिर आबद्ध की, अस्थिर दांत की तथा अस्थिर कान, नाक तथा गले की जांच तथा इलाज बोर्ड के अस्पताल में किया जायेगा।

(ii) वे कर्मचारी जो बोर्ड के क्वार्टरों में या अन्य थोकों, जैसाकि विनियम 4 के उप विनियम (-) में उल्लिखित हैं, रहते हैं और वे दौसी बीमारी में पड़ जाये कि वे बोर्ड के किसी अस्पताल या दबावानाम में नहीं जा सकते, तब उन्हें बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी उनके घर पर ही उनका इलाज करेंगे। आपात भासले में जबतक कि बोर्ड का कोई चिकित्सा अधिकारी मामले को नहीं देखता, तब वैयक्तिक डॉक्टरों को बुलाया जा सकता है लेकिन इलाज के लिए किया गया चिकित्सा खर्च को प्रतिपूर्ति इसी राशि पर को जायेगी कि मामले को रिपोर्ट यथा संबंध थोकोंन अवतर में यथा मुख्य चिकित्सा सेश इकाई को किसी भी हालत में पहने कर दी गयी हो और वैयक्तिक डॉक्टर को बुलाने से 24 घंटे के भीतर हो।

(iii) वे कर्मचारी जो बोर्ड के क्वार्टरों या विनियम 4 के उप विनियम (ii) में उल्लिखित थोकों में रहते हैं, वे भी अपने आवास पर अपनी पसंद के वैयक्तिक डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा उपचार पाने के हकदार होंगे, यदि उनको बीमारी इतनी गंभीर हो हो कि वे बोर्ड के किसी अस्पताल या दबावानाम में नहीं जा सकते। बीमारों को गंभीरता के संबंध में यदि कोई संदेह वैदा होगा तो इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी का निर्णय ही अनियम होगा। दबा, रोग विज्ञान, जीवाणु, विज्ञान, विकिरण चिकित्सा विज्ञान, हृदय संबंधी जांच, जैव कि प्राधिकृत हो, को पूरी लागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रमाणन पर वापन का जायेगा।

(iv) जब कोई कर्मचारी स्वयं किसी बीमारी से पीड़ित हो जिससे काम पर अनुपस्थित होने को आवश्यकता न हो, तो वह अपनी इलाज के लिए अस्पताल या औषधालय के बहिरंग बाईं में अनन्ती जांच कराएगा।

विनियम- 6 : सफारी दौरा आदि के दौरान चिकित्सा परिचर्या तथा इलाज की मुक्तिधारण :—(1) जब कोई कर्मचारी छूटी पर हो और बीमार पड़ जाये तब उसी प्रकार वे चिकित्सा परिचर्या तथा इलाज का हकदार होगा जैसकि वह अपने काम के सभय बीमार पहने पर पाता, बास्ते कि कर्मचारी वही रहता हो जहा से वह पहने कार्यालय भता या।

(2) जब कोई कर्मचारी सरकारी दौरा पर हो या छूटी यादा रियायत का लाभ उठाने के लिए छूटी पर हो, और बीमार पड़ जाये और अस्पताल में भर्ती हो तो उसे विनियम 11(ग) (घ) में नियर्वित सोमा के अंतर्गत अस्पताल का खर्च, नसिंह होम का प्रमाण वैयक्तिक नसी/परिचारी रखने का खर्च तथा दबा की लागत एवं अन्य रोग संबंधी जांच की लागत पाने का हकदार होगा, बास्ते कि वह किसी डॉक्टर, जौकि सिविल सर्जन के जोहूदे से कम न हो या सहकारी अस्पताल का डॉक्टर हो, से उपर्युक्त प्रमाणन देता करता आवश्यक होगा कि कर्मचारी के जीवन की रक्षा के लिए ऐसे चिकित्सा परिचर्या/इलाज/अस्पताल में रखना आदि आवश्यक या;

विनियम -- 7. नर्मिंदा हास्प/माश्रजनिक प्रस्तुति के केवित में भी यहीं --
प्राप्तात् सम्बन्ध में कोई कर्वन्वारीः किसी नर्मिंदा हास्प या किसी शूलकारीयी
प्रैष्या या किसी अस्त्रजनक के केवित में नुच्छ चिकित्सा अधिकारी का पूर्व
श्रुति से भर्ती हा नहीं है। नर्मिंदा हास्प/माश्रजनिक प्रस्तुति में इलाज की
लागत जिसने द्वाण, स्थान, फौम, निषिंग आदि वगत कि वह विनियम 11
(न) निर्धारण वीमः के अन्तर्गत हो, तथा अन्य रोग जाति सबंधी खब्बे
प्रयोगी रा। विशाल, जापाणु विशाल दूष विशाल, विकिरण विशाल अचू
तथा अन्य खब्बे ग्राही न्यन्, सवाइत या अन्दू टरहों, द्रेयिंग भारि जैमा
क आवश्यक हो, का लाग्या निम्नलिखित मापों में नुच्छ चिकित्सा अधि-
कारी के प्रमाणन पर बोडे डारा दिया जाये।

(क) वार्ड अस्पताल को पर्याप्त की कमी को देखने हुए जब नुस्खा चिकित्सा अधिकारी द्वारा किसी कर्मचारी को नमिन होता या शुल्कदाया सैखा या मार्बंगिन मस्ताल के केवल में रखने को व्यवस्था को जापे।

(व) स्थप कनेचारी द्वाय या उसके परिवार के सदस्य द्वार जब ऐसी घटी की पहल को जाय, तब नुख्त चिकित्सा अधिकारी को पूछ अनुभव प्राप्त कर भी जाये।

(ग) आपात में जब ऐसी भर्ती का पहल करनेवालों द्वारा हा या उसके दौखारा के सदस्य द्वारा और बाद में नुस्ख चिकित्सा अधिकारी ऐसा प्रमाणित करें कि करनेवालों को जावन रक्त के लिए ऐसा व्यवस्था अरुरों था।

विनियम- 8 : विषेशज्ञों के पास भेजा जाना :- -यदि नुस्खे विकित्सा अधिकारी की राय में किसी रोग का रोग इनमा गमीर है या ऐसे खाम स्वभाव का हो कि उसमें विशेषज्ञ का परामर्श/या विशेषज्ञ का इनाज आवश्यक हो, तो नुस्खे विनियम, अधिकारी की पूर्व अनुमति से ऐसे रागी को इनाज के लिए विशेषज्ञ के पास भेजा जायेगा । यदि रागी इनाज कमज़ोर है कि वह विशेषज्ञ के पास जान में अपनानी है तो विशेषज्ञ को रोगी के भावास पर ही बुलाया जा सकता है । विशेषज्ञ का फोस को प्राप्ति के लिए मुख्य विकित्सा अधिकारी द्वारा एक ज्ञान जरूर किया जायेगा जिसे विमाणदर्शक द्वारा प्रतिदृष्टकार करके उसके पास लौटा दिया जायेगा । विशेष के अधीन रागी को इनाज के नुस्खे विकित्सा अधिकारी रागी का अपने पास बुला सकते हैं और यद्यपि वह बिना वैध कारण के उत्तरे सामने उपस्थित होता में चुकाना है, तो रागी द्वारा किए गये अर्जों को प्रति पूर्ति नहीं की जायेगी ।

**प्रधाय-III--शोर्द के कन्चारिया के परिवार के लिए चिकित्सा
परिचय सदा इताज को दियाय**

निनियम-७ बोर्ड के कानूनारियों के परिवार के लिए निकिटसा परिचर्या तथा इताज़ :-बोर्ड के कानूनारियों के बीहुदे तथा शर्तों के मनुसार उनके परिवार को चिकित्सा परिचर्या और/या जैसाकि अध्याय-II में उल्लिखित है। बोर्ड के कानूनारों के बीहु तथा शर्तों के मनुसार उनके परिवार का निकिटसा परिचर्या तथा या इताज़ को जायेगी।

टिप्पणी-- 1 . बोर्ड की महिला अवृत्तारियों के लिए इस विनियम की अवधिस्था धयोचित परिवर्तन करके लागू होनी।

टिप्पणी—२ : कर्मचारी के परिवार का प्राधिकृत चिकित्सा परिचारी वही है जो कर्मचारी का प्राधिकृत चिकित्सा परिचारी है।

वर्णनयम्—१० : ‘परिवार’ शब्द का परिभ्रष्टा—कलंकता पोट ट्रस्ट कन्चनारी (चिपलसा सेबा और इलाज) विस्तियम्, 1989 के प्रयोजन के लिए “परिवार” शब्द का अर्थ कन्चनारी को पत्नी या पति जैसे स्थिति हो, तथा उनके साथ रहती हो, रहता हो, तथा मानान्मिति, बच्चे तथा सीतेवा बच्चे (जनको उम्र 28 वर्ष से अधिक न हों तथा कन्चनारी पर पूर्णतः आन्तित अविवाहित लड़किया जो कन्चनारी के साथ रहते हों/रहते हों।

स्पष्टीकरण

(क) (१) "पत्रिकार" शब्द में कोई अन्य आविष्करण संबंधी जेरे—
माई, बहन, विद्वा वहन आदि शामिल नहीं हैं। "मातृ-
पिता" शब्द में संतुला वाप शामिल नहीं हैं।

(2) बच्चे' शब्द में कानूनी गोत्र लिए बच्चे शामिल होंगे।

(3) ‘ਪਤਨੀ’ ਸ਼ਬਦ ਮੈਂ ਏਸਾ ਪਤਨੀ ਸੇ ਅਧਿਕ ਪਤਨੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ।

(4) यदि कर्नाटक को सभी लांतों से कुल धार्ती मालिक धार्य 250/- रु. प्रतिमह में अधिक न हो तो उसकी अवधि द्वारा समय-समय पर संबोधित होना रहेगा, तब कर्नाटक के परिवारिक सदस्य को उत पर पूर्णतः आवित माना जावेगा। संबोधित कर्नाटकी को प्रत्येक कैम्पडर वर्ष के भारतमें एक बार पूर्णतः आवित सरस्यों का धार्य के बार में घोषणा करना होगा।

(4) इन विनियनों के अंतर्गत चिकित्सा रियायत को लाभों की प्राप्ति के प्रयोगन के लिए भवित्वा करनेवाली को जाहे भरने मात्रान्पिता या अपने नाम-संसुर के नामों का शामिल करने सबको छूट दी जावेंगी, बताते ही कि मात्रान्पिता या सास-संसुर पूर्ण हप से उसके उनर प्राश्नित हों तथा उसके साथ रहते हों।

(ख) कर्मचारी की पत्नी भा परिः, जिसी स्थिति हो, राज्य सरकार मे सेवारत हो या रक्षा मे, रेलवे सेवा मे या/निगम/निकाय जिन्हें केवल या राज्य सरकार से भौगोलिक या पूर्ण वित्तीय माध्यम दी जाती है, स्थानीय निकाय तथा निजी संस्थान, जो चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती है, कोई भी सुविधा वाहे कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (चिकित्सा सेवा और इलाज) विनियम, 1988 के अन्तर्गत दो जानेवाली चिकित्सा सुविधाएं ले सकते हैं/सकती हैं/या वे जिम संस्थान मे सेवारत हैं उसकी चिकित्सा सुविधाएं ले सकते हैं/सकती हैं।

(ग) जब पति और पत्नी दोनों भोड़ के कर्मचारी हो तब वे और उनके निष्ठावाले आश्रितों को उनकी हृतियों के मनुसार चिकित्सा रियायत का नाम उठाने चिया जायेगा । पति पत्नी या बच्चों से सम्बन्धित चिकित्सा परिकर्त्ता तथा इलाज के लिए किए गये चिकित्सा खर्च की बापती के लिए शाशा कीव पेश करेगा । इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपने विभागाध्यक्ष को संपूर्ण धोषणा देना होगा । उपर्युक्त धोषणा पक्ष द्वी प्रतियों में ज्ञान करना होगा और एक प्रतिलिपि लेखा विभाग को प्रप्रेषित करना होगा । यह धोषणा उस समय तक रागू रहेगी जब तक कि लिखित रूप में दोनों में से किसी एक को पदोन्नति, स्थानान्तरण, इस्तीफा आदि के कारण लिखित रूप में व्यक्त मनुरोध द्वारा संशोधित न करा जे । वेंस संपूर्ण धोषणा की मनुपस्थिति भे पति के घोड़े के मनुसार पत्नी तथा बच्चे चिकित्सा रियायत का नाम उठा सकेंगे ।

भ्रष्टाय—] V-प्रतिपूर्ति का विस्तार तथा प्रतिपूर्ति हेतु दावा
प्रस्तुति की क्रियाविधि

विनियम—II : प्रतिपूर्ति (क) बोर्ड के दबावामा से सभी दबाएं जिनमें सलाइन या किसी भी प्रकार के टपकने, घून, आँखसंजन तथा अस्थ जीवन रक्षक उपकरण जिनमें बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी या मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सलाह पर विशेषज्ञ ड्वारा निर्धारित पाल्स जेनरेटर की मुक्त आपूर्ति की जायेगी। लेकिन ऐसा कोई भय जो बोर्ड के श्रोपशालय में उपस्थित नहीं है या विनियम 5 के उप विनियम (ii) (iii) के अन्तर्गत ईयरिक आक्टर ड्वारा लिखित कोई दबा नियम हाँग ड्वारा लिखित कोई दबा या अस्पताल अधिकारियों द्वारा, जहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी की पूर्ण भ्रमनुमति से रोगी भर्ती हुआ हो, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रमाणन पर बाहर से खारीदी जा सकती है तथा उसकी पूर्ति भी की

जायेगी। बोर्ड कार्मचारीक विकास से संबंधित उपकरणों की प्रतिपूर्ति नहीं करेगा। उपर्युक्त मामलों में से किसी भी मामले में किसी प्रकार वा मंदेह या मतभेद उत्पन्न होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी की राय अस्तित्व होगी।

टिप्पणी—

बोर्ड का कोई कर्मचारी और उसके परिवार के अधिकृत सदस्य जैसा कि विनियम 10 में परिभ्रामित है, को पेसमेकर तथा इसके पास जेनरेटर में बदलाव की व्यवस्था, यथा अपेक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रमाणन पर को जायेगी।

(क) परन्तु दृश्य पेसमेकर तथा पास जेनरेटर के बदलाव की प्रारंभिक प्राप्ति का भुगतान भ्रातृस्तिकारक एजेंसी को सीधे किया जायेगा, न कि संबंधित कर्मचारी को।

(ख) वैयक्तिक डॉक्टर की आधी फीस जो अधिकतम 10- रु प्रति दिन या ऐसी गणि जो समय-नामय पर बोर्ड द्वारा मंजूर की जाये, विनियम 4 के उप विनियम (ii) तथा (iii) के अस्तित्व प्रतिपूर्ति की जायेगी।

(ग) कर्मचारियों द्वारा किए गये खर्च का बोर्ड कहा तक सहेगा— निम्नलिखित खर्चों के संबंध में नीचे विवार्ता गयी सीमता तक सभी कर्मचारी प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे, बशर्ते कि वह मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अनुमति से किया गया हो तथा बशर्ते कि ऐसे दावे के समर्थन में आवश्यक बाउचर प्रस्तुत किए गये हैं।

(क) सरकारी अस्पताल या सरकारी मान्यता प्राप्त अस्पताल के प्रभार की दर पर अस्पताल प्रभार।

(ख) विनियम 6(2) तथा 7 के अस्तित्व पड़ने वाले मामलों में 100- रु. प्रति दिन की सीमा तक स्वीकार्य नसिंग होम प्रभार।

परन्तु यह भी जहा नसिंग होम प्रभार 100- रु. प्रति दिन से अधिक देना पड़े तो 100- रु. से अधिक प्रभार का 2/3 का भी प्रतिपूर्ति किया जायेगा। परन्तु आगे यदि कोई कर्मचारी काम पर आवल हो जाये, तो उसे नसिंग होम के खर्चों का पूरा प्रतिपूर्ति किया जायेगा।

(ग) विशेषज्ञ की प्रति आगमन कीस 50- रु. तक। काम पर आवल होने पर विशेषज्ञ की पूरी फीस की प्रतिपूर्ति की जायेगी।

टिप्पणी—

जहा कर्मचारी विनियम के अधीन अपने पक्षद के वैयक्तिक डॉक्टर से इलाज करते का हकदार है, तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अनुमति के बिना ही विशेषज्ञ बुलाता है, तक विशेषज्ञ को सामान्य डॉक्टर माना जायेगा तथा विशेषज्ञ की फीस की सामान्य की प्रतिपूर्ति विनियम 11(ख) में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार की जायेगी।

(घ) वैयक्तिक नस को रखवाने के लिए वैयक्तिक नस/परिचारी की फीस/प्रभार प्रतिपाली 20- रु. से अधिक नहीं होगा या ऐसी राशि जो बोर्ड द्वारा निश्चित किया जाये, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नस/परिचारी एक सप्ताह से अधिक अवधि के लिए रखा जाता है, तो खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए अवधि या उपाध्यक्ष की मंजूरी की मावशक्ता पड़ेगी। बाहर के डॉक्टर से तथा संस्थान से कराए गये एक्स-रेजांच मा रोग विज्ञान जांच तथा उसी समान जांच के प्रभारों की प्रतिपूर्ति राशि को सरकारी अस्पताल की दर पर दी जायेगी।

(घ) चिकित्सा विलों को प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा का विस्तार।

कर्मचारी द्वारा चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति का दावा इलाज समाप्त होने] के 6 महीने के भीतर अवधि देश करना होगा। मामले की गुणवत्ता को देखते हुए अवधि या उपाध्यक्ष वैयक्तिक मामले में इस समय सीमा को बढ़ा सकते हैं।

(इ) प्राविकृत चिकित्सा परिचारी द्वारा जारी क्रम आवेदन की सिधि से अधिक से अधिक एक सप्ताह के भीतर सभी दबाए क्रम किया जाना चाहिए। यह मियाद अवधि या उपाध्यक्ष द्वारा पहुंच मियाद बताया जा सकता है जो मामले के गुणवत्ता पर निर्भर करता।

विनियम—12 एम्बुलेंस सुविधा —प्रबल तथा आपात मामलों में कर्मचारियों को उनके आवाम जिस देश के बोर्ड के बवाटर में वहसे हैं जनाकि विनियम 4(ii) में उल्लिखित है या कर्मचारी के कार्य स्थल से मुफ्त एम्बुलेंस द्वारा कर्मचारी को करीब के सार्वजनिक अस्पताल या बाउर के किसी भी अस्पताल या औषधालय, जैसी बात हो, में पहुंचाया जायेगा। किसी कर्मचारी को वैयक्तिक हालाज के ग्रंथ के रूप में अस्पताल से उसके मावास या किसी रोगी को घर से अस्पताल और अस्पताल से घर ले जाने के लिए एम्बुलेंस की आपूर्ति नहीं की जायेगी।

विनियम—13—आप पर धायल से संबंधित विलों की प्रतिपूर्ति — जाम पर धायल हुए कर्मचारी के मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर चिकित्सा उपचार संबंधित पूरा खर्च जिसम छुलिम बतायकी जी लागत, चम्पा, छुलिम अग तथा संबंध उपकरण की लागत की प्रतिपूर्ति जाएगी।

विनियम—14—चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति भी प्राप्ति के लिए कर्मचारी द्वारा की जाने वाली क्रियाविधि — (1) कर्मचारी द्वारा प्रतिपूर्ति हेतु दावा इलाज की समाप्ति की तारीख स 6 महीने के अन्वर निर्धारित प्रधान में निम्नलिखित बाउचरों सहित मपन मनुभागीय अधिकारी के पास प्रस्तुत करना होगा।

(1) दबाए खरीदने का बाउचर—

(क) मूल प्रेसक्रिप्शनसम,

(ख) नकद बाउचर,

(ग) बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रेसक्रिप्शनस पर पृष्ठांकित क्रम आवेदन।

टिप्पणी—(क) स्वामित्व दबाए तथा इंजेक्शनों के क्रम की छपे कैशमेसो या उचित प्रधान पर विल अवधि प्रदान करे।

(ख) मिथ्रान का हर प्रेसक्रिप्शनस तथा/या पावर सल्फा दिया गया हो जैसाकि औषधालय के प्रेसक्रिप्शनस रेजीस्टर में रेकार्ड किया गया हो जहा से आपूर्ति की गयी हो।

(ग) वैयक्तिक आकर्णों के प्रेसक्रिप्शनस का प्रतिमिटेंगा या बोर्ड के चिकित्साधिकारी का प्रेसक्रिप्शनस पर दिया गया क्रम आवेदन संबंधित कैशमेसो में दिया जाना चाहिए अर्थात् कैशमेसो के हर मध संबंधित प्रेसक्रिप्शनस या क्रम आवेदन से मिलना चाहिए।

अस्पताल प्रभारों के लिए—

(क) अस्पताल के विल तथा भुगतान रसीद,

(ख) अस्पताल प्रवेश सथा मुक्त प्रमाण पत्र।

(ग) भर्ती हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी का सिद्धित आवेदन।

(ii) नसिंग होम प्रभारों के लिए—

(क) नसिंग होम विल और रसीद,

(ख) नसिंग होम में भर्ती हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी का सिद्धित प्रमुखति।

(ग) रोग विज्ञान जांच, जीवाणु विज्ञान जांच तथा चिकिरण विज्ञान जांच तथा दबाओं की कीमत हेतु विल तथा रसीद।

- (iv) विशेषज्ञों की कीम के लिए—
 (क) विशेषज्ञ के पास भेजने संबंधी मुद्रा चिकित्सा अधिकारी का नाम ।
 (ख) बिल के रसीद ।
 (व) वैयक्तिक डाक्टरों की फीम हेतु—
 (क) प्राप्तमन तिथि को दिखाते हुए डाक्टर के पत्रपत्रीष पर दिल ।
 (ख) रोग का विवरण देते हुए श्रीमारी संबंधी गंभीरता का प्रमाण पत्र ।
 (ग) इंजेक्शन के लिए वी जाने वाली फीस की रसीद, तथा
 (घ) रोग विज्ञान जांच, जीवाणु विज्ञान जांच, तथा विकिरण विज्ञान जांच की रसीद हेतु बिल ।
 (ड.) बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी की लिखित हिचायत ।
 (vi) वैयक्तिक नर्स/परिवारी की कीम के लिए—
 (क) वैयक्तिक नर्स/परिवारी का बिल तथा रसीद,
 (ख) मुद्रा चिकित्सा अधिकारी की लिखित हिचायत ।

वावा प्राप्त होने पर संबंधित अनुभाग अधिकारी संबंधित विवरण को अपने अनुभाग में रखे जाने वाले चिकित्सा बिल रजिस्टर में लिख लेंगे और उसके बाद दावे को मुद्रा चिकित्सा अधिकारी के पास प्रेषित करेंगे केवल उन भागों को छोड़कर जिनका इलाज बोर्ड के चिकित्साधिकारी द्वारा हुआ है, इस पुस्तकत के साथ यह उल्लेख करते हुए कि इलाज के बीचन कर्मचारी छुट्टी पर था या नहीं। आवश्यक जांच के बाद मुद्रा चिकित्सा अधिकारी यह प्रमाणित करेगा कि क्या इलाज ठीक हुआ है या नहीं और जो दवाएं लिखी गयी हैं वे स्वीकार्य हैं। और तब वह दावे वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी के पास भेज देगा। और बिल सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी के कार्यालय में दावे का संबंधित बाउचर के साथ जांच किया जाएगा कि क्या वे विनियमों के उपर्योग के अनुमान हैं या नहीं। तब कर्मचारी को दिया जाने वाला वावा का हिचाब किया जाएगा और वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी बिल को पास करेगा। और संबंधित कर्मचारी के पक्ष में भुगतान प्रावेश जारी करने के लिए संबंधित अनुभाग कर्मचारी के पक्ष में भुगतान प्रावेश जारी करने के लिए संबंधित अनुभाग को उपयुक्त सूचना देगा। मुद्रा चिकित्सा अधिकारी तथा वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी के कार्यालय में उपयुक्त चिकित्सा बिल रजिस्टर द्वारा जाएगा।

टिप्पणी:—

बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी द्वारा या उसके आश्रित परिवार के मदद के इलाज के मामले में चिकित्सा लेने की प्रतिपूर्ति के लिए दावा संबंधित कर्मचारी अपने विभाग में संबंधित प्रेसिट्रिमन्स तथा बाउचर प्रादि के साथ प्रस्तुत करेगा। संबंधित विभाग उसके बाद जी-20 बिल बनाएगा जिस पर आवश्यक कार्रवाई के उपरान्त वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी द्वारा कर्मचारी को भुगतान किया जाएगा।

- (2) यदि कोई बिल मार्ज में छो जाए ।
 (i) यदि बिल बास्तव में मुद्रा चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित किया जाएगा तब अनुभाग अधिकारी बिल की राशि प्रमाणित करेंगे कि क्या प्रार्थी के पक्ष में उस बिल से संबंधित कोई भुगतान प्रावेश तथा उससे संबंधित अन्य विवरण जारी किया गया है या नहीं ।
 (ii) मुद्रा चिकित्सा अधिकारी इस बात को प्रमाणित करेंगे कि क्या बिल उनके विभाग में प्राप्त हुई थी ? या उनके किसी अधिकारी ने बिल की जांच की थी ? और क्या बिल पर कोई प्रतिकूल या अन्य बात लिखी गयी थी ?

(iii) वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी इस बात को प्रमाणित करेंगे कि उनके विभाग द्वारा भुगतान के लिए ऐसा बिल पारित की गयी थी या नहीं ? मुद्रा चिकित्सा अधिकारी एवं वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी से प्रावश्यक प्रमाण पत्रों की प्राप्ति के बाद अनुभागीय अधिकारी द्वारा अनुलिपि बाउचरों के साथ या उसके बिना उन प्रमाण पत्रों के साथ वित्त सलाहकार एवं मुद्रा लेखा अधिकारी के माध्यम से पूरा या आंशिक जैसी स्थिति हो भुगतान के लिए एक अनुलिपि बिल सवित के पास अध्यक्ष या उपाध्यक्ष की मंजूरी की प्राप्ति हेतु भेजा जाएगा ।

अध्याय—V—कुछ श्रीमारियों और इलाजों का वर्जन

विनियम—15—कुछ श्रीमारियों और इलाजों का वर्जन—इन विनियमों के विषय क्षेत्र से वर्जित है ।

- (i) प्रग्नाव तथा उसमें उत्पन्न हालत या सीधे आरोप्य गर्भ या प्रमव ।
 (ii) उन्माद—परन्तु अन्य मानसिक श्रीमारियों की इलाज की जाएगी यदि मुद्रा चिकित्सा अधिकारी की राय में वे श्रीमारियों यथोऽन समय में दवा द्वारा ठीक किया जा सकता है ।
 (iii) फोड़—परन्तु मुद्रा चिकित्सा अधिकारी के लिखित सिफारिश पर वैमानिक फोड़ आवश्यक या स्कूल आफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, कलकत्ता द्वारा लिखित खास व्याघ्रों की लागत की प्रतिपूर्ति की जाएगी ।
 (iv) टीव शूष्माघूस की श्रीमारियों जिनमें श्रवण रहने की प्रपेक्षा होती है यद्यपि जैगा, गोटी, ज्वेग, टिटनस, घर्खलकरण, प्रब्लर पोलियो का अगला स्पृष्ट, सेरेब्रोसपिनल मेनिनाइटिज आदि । छिपरेशिया रोग का इलाज तभी की जा सकती है जब किंवद्दि सार्वजनिक अस्पताल में भर्ती नहीं किया जा सकता ।
 (v) कारमिनोमा, मरकोमा आदि के समान माध्यातिक श्रीमारियों । परन्तु यदि मुद्रा चिकित्सा अधिकारी की राय में होगी के अल्प समय में स्वस्थ हो जाने का यथेष्ट मौका है, तो उसका इलाज किया जा सकता है ।
 (vi) ऐसी श्रीमारियों जो रोगी को असंयमित करती हैं ।
 (vii) यौन रोग (बीब्र) ।

टिप्पणी—(1) कर्मचारी मुद्रा चिकित्सा अधिकारी द्वारा विशिष्ट बोर्ड के अस्पतालों तथा शौष्माघालयों में एटी-ट्यूबर क्लूलोसिस का इलाज करा सकते हैं । के. एम. राय, अस्पताल ट्यूबर क्लूलोसिस रिलिफ एक्सप्रिसन और नेताजी सुभाष चन्द्र सेनिटोरियम, कल्याणी या किसी अन्य संस्थान में जहां बोर्ड द्वारा कुछ शैव्या रखी गयी हैं, में कर्मचारियों के अतिरंग इलाज की व्यवस्था है जब आश्रित परिवार के सदृश्य के ट्यूबर क्लूलोसिस के इलाज के लिए केवल भी दी दी अस्पताल के बहीरें तथा और्दी अस्पताल के ब्लेस्ट क्लिनिक (बहीरंग) में ही व्यवस्था हैं ।

(2) उपर्युक्त मामलों में से किसी एक मामले में भी सबैह या मनमेव उत्पन्न होने पर मुद्रा चिकित्सा अधिकारी की राय ही मन्त्रिम भानी जाएगी ।

(3) ऐसे रोग की इलाज की सुविधा जिनके इलाज के लिए श्रीमी तक भारत में व्यापक रूप में निपन्नलिखित आपरेशन की व्यवस्था नहीं है—

- (i) काढावर किडनी ट्रांसप्लांट ।
 (ii) पुराने आपरेशन किए गए बाई-नास सर्जरी के मामले (जिनके प्रारंभिक आपरेशन विवेश में किया गया था) जिन्हें पुनर्संबंधी की आवश्यकता है ।
 (iii) बोन-मारो ट्रांसप्लांट ।
 उच्च निकट दृष्टि मामलों का प्रस्तावन शुद्धि

(4) कर्मचारी सेवा निवृति द्रव्य रोग।

कर्मचारी के रोग के इलाज से संबंधित उपर्युक्त आपरेशन की आवश्यकता के लिए विवेश में हुए खर्चों की प्रतिपूर्ति उस सीमा तक की जाएगी जैसा कि भेड़िकल बोई जिसे कि उसी प्रयोजन के लिए बनाया गया था, द्वारा तिकारिया किया जाएगा। बोई यह विचार करेगा कि क्या आपरेशन आवश्यक है या नहीं। ऐसे भाग्ये जिनके आपरेशन की सुविधा भारत में उपलब्ध नहीं है तब भेड़िकल बोई उस पर होने वाले खर्चों का निवृत्ति करेगा। यदि वहीं सुविधाएं भारत में पूर्ण रूप से होते पर जो खर्च होता तथा जितनी प्रतिपूर्ति को जाती, उसी राटि द्वारा भेड़िकल बोई की निर्धारित राशि को नियंत्रित किया जाएगा। भेड़िकल बोई का मंगठन हम प्रकार होगा जैसा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नियंत्रित किया जाएगा तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुकार उसे मंबंधित वीमारी के विशेष भी शामिल होंगे। उपर्युक्त आपरेशन कराने की व्यवस्था भारत में है या नहीं के बारे में भेड़िकल बोई अपनी राय भी नेकार्ड करेगा।

टिप्पणी:—

मैट्रेड निराम्य के लिए यह व्यवस्था भवित्व का नहीं है कि परिकर्मनारी आपरेशन करने के लिए जिसी विवेशों द्वारा जो सुविधाओं का लाभ उठाना पर्याप्त कठिन है तो उसी विवेशों द्वारा को नहीं जो प्रांती नहीं की जाएगी।

अध्याय VI—सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा मुद्रिता

‘ विनियम—15—सेवा निवृत्त कर्मचारी जो सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गए हैं—(1) वे कर्मचारी जो सेवा निवृत्त हो गए हैं या जो कम से कम 5 वर्ष तक बोई के अधीन सेवा करने के बाद सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गए हैं, वे अपनी पसंद से तथा निर्धारित शुल्क के भुगतान पर कुछ नियंत्रित अंशदायी चिकित्सा मुद्रिता का लाभ उठा सकते। ऐसी चिकित्सा मुद्रिता अंशदायी के बाल सेवा निवृत्त कर्मचारी तथा वह कर्मचारी जो सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर है उसे तथा उसकी पत्नी को ही प्राप्त होगा। (इसके आगे जिसे रोगी कहा जाएगा)

(2) रोगी को यह लिखित रूप में घोषणा करना होगा कि वह और उसकी पत्नी या पति ऐसिया आधार पर लाभों का उपयोग करना चाहते हैं और ऐसी मायिक राशि लेने के इच्छुक हैं जैसा कि समय-न्यूनता पर निर्धारित किया जाएगा। रोगी को यह घोषणा करने की छुट्टी रहेगी कि वह भ्रक्ते ही इस लाभ का उपयोग करेगा, उसकी पत्नी या महिला कर्मचारी के संबंध में उसका पति इस लाभ का उपयोग नहीं करेंगे। यदि कोई कर्मचारी किसी भी समय अंशदायी उठा लेना चाहे तो वह उत्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तारीख से ऐसा कर सकता है। रोगी के मर जाने से उसकी पत्नी अपनी पसंद से निर्धारित अंशदायन के भुगतान पर उन सुविधाओं का लाभ उठा सकती है। सेवा के बोयान मरे कर्मचारी को विवाह भी निर्धारित प्रमाणों के भुगतान पर इन चिकित्सा मुद्रितों का लाभ उठा सकती है।

(3) लाभों का नियन्त्रण बोई अस्पतालों या औद्योगिक लाभों के बहीरंग रोगी चिकित्सा में इलाज तक सीमित रखा जाएगा उसी प्रकार इलाज किया जाएगा जैसा पत्तन के नियमित कर्मचारियों का वहां इलाज किया जाता है। रोगियों को कोमरी और पेटेंट दवाएं नहीं दी जाएंगी और नहीं दवाओं की लापत जिसे बोई के चिकित्सा अधिकारी के प्रतिक्रियन पर नियम नहीं हो और जिसे उनको खरीदना पड़ा हो कि प्रतिपूर्ति नहीं जी जाएगी।

(4) विशेष प्रकार का इलाज जिसमें बोई के अस्पतालों और औद्योगिक लाभों में ऐवोरेटरी और एक्स-नरे सुविधाएं शामिल हैं, नियमित प्रकार के भुगतान पर जैसा कि समय-न्यूनता निर्धारित हो, संवादित पाना 15 ला जाएगी लाभों के लिए नियन्त्रित। आधार पर अंशदायन किया जाएगा।

(1) सेवा निवृत्त 4 शेषी कर्मचारी—2/- रु. प्रतिमास

(2) सेवा निवृत्त 3 शेषी कर्मचारी—4/- रु. प्रतिमास

(3) सेवा निवृत्त 2 शेषी कर्मचारी—6/- रु. प्रतिमास

(4) सेवा निवृत्त 1 शेषी कर्मचारी—9/- रु. प्रतिमास

यदि कर्मचारी सुविधाओं का लाभ प्राप्ते लिए उठाना है और अपनी पत्नी के लिए नहीं उठाना तो उत्तर्युक्त गणि का केवल आगा ही दे दें होगा। ये दरें बोई द्वारा प्राप्ते विवेश से ममत-प्रमाण पर संबोधित किया जाएगा। प्राप्तों विवेश द्वारा सामाजिक परिवर्ती आवोद्धार के प्रयत्ने 1 प्रत्रिल में प्रधानों होगा।

विनियम—17—कार्य विधि:—नियम 16 के अन्तर्गत चिकित्सा मुद्रिता के इच्छुक अधिकारी को प्रपत्ते चिकित्सा अधिकारी जहां वे सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाने से पहले कार्यस्थल ये, के माध्यम से स्थधध के पास आवेदन करना होगा। इस प्रयोजन के लिए बोई एक आवेदन पत्र निर्धारित कर महत्व है। संबंधित व्यक्ति को बोई द्वारा आवेदन पत्र लेने में भी आवश्यक होगा। सेवा निवृत्ति के लिए उत्तर्युक्त पत्र बोई के ताजा जारी करना होगा। यह बोई द्वारा निर्धारित किया जाए, देना होगा। जब कोई अधिकारी इन लाभों का उत्तोष नहीं करता चाहेता, तब उसे आदाय प्रदान पत्र बोई के ताजा जारी कर देना होगा। यदि पत्रावान उत्तर देता जाए है तब केवल 5/- रु. मुद्रान भरने वाले या ऐसी राशि जो अद्यता द्वारा निर्धारित की जाए, तकद वहकान पत्र जारी किया जाएगा।

संबंधित अधिकारी को प्रपत्ते अंशदायन का मुद्रान 6 महीने के लिए एक ही साथ अधिक नहीं होगा।

बोई को यह अधिकार होगा कि यदि वह जाहे तो किसी भी समय इसे निलम्बित या बदल या उन लाभों को बदल सकता है। यदि इन लाभों कार्य विवेश के या उत्तर्युक्त अधिकारी में से किसी अधिकारी के बारे में कोई प्रश्न उत्पन्न होगा, तो अध्यक्ष के नियंत्रण ही अधिकार होगा।

विनियम—18—सेवा निवृत्त कर्मचारी सेवा निवृत्ति पूर्व (प्रत्यरंग इलाज) छुट्टी पर रहने वाले कर्मचारियों के लिए चिकित्सा लाभों का विस्तार की सुविधाएँ—सेवा निवृत्ति कर्मचारियों को अत्यरंग चिकित्सा लाभों की सुविधा की व्यवस्था अंशदायी होनी और जो कर्मचारी इसे पसंद करेगा उसे अपनी पूरी सेवा के साथान अर्थात् निवृत्ति विधि से सेवा निवृत्ति बकाया 25 वर्ष जो भी अधिक हो, बोई द्वारा निर्धारित दर पर मायिक अंशदायन करना होगा। वे कर्मचारी जो पहले सेवा में हैं और सेवा निवृत्ति के कानार पर हैं वे भी इन सुविधाओं के लिए विकल्प दे सकते हैं अपने की उनकी पूरी सेवा अधिक हो, के लिए जैसा कि बोई निर्धारित करे, की दर पर वे एक मुश्त अंशदायन करने के इच्छुक हों।

विनियम—19—कर्मचारी की निवृत्ति विधि के बाद भी चिकित्सा इलाज का जारी रहता—न्यूयर्क चिकित्सा अधिकारी अध्यक्ष या उत्तर्युक्त की अनुमति के बिना कर्मचारों को निवृत्ति विधि वह नियम पर कर्मचारी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाता है के बाद भी तीन महीने तक जारी रख सकता है और यदि वह आवश्यक समझे कि तीन महीने की अधिकारी के बाद भी इलाज जारी रहेगा तब वह उत्तर्युक्त तीन महीने के अन्तर ही अध्यक्ष या उत्तर्युक्त का अनुरोदन प्राप्त कर लेगा।

अध्याय VII—विविध

विनियम—20—अध्यक्ष का नियंत्रण अधिकार:—अध्यक्ष वालों के लिए जहां निवृत्ति रूप से व्यवस्था को यह है कि लोडकर इन विनियमों से उपर्युक्त सभी प्रथाएँ पर अध्यक्ष का नियंत्रण अधिकार होगा। यदि अध्यक्ष यह समझे कि वाले को अन्वार्ड के बाद में संतुलित जा जाएगा।

पत्र है तो वे इन विनियमों के अन्वयन विकास वालों की प्रतिपूर्ति के किसी भी दबे के शुणान को रोक सकते हैं। इसके पहले किसी बात के होते हुए भी वोईं प्रपने विवेक पर योग्य मामलों में उपर्युक्त विनियमों के किसी भी विनियम में छूट दे सकता है।

विनियम—21—निरसन और बचत—(1) इन विनियमों के प्रारंभ होते ही हर नियम, विनियम, संकल्प या ऐसे प्रारंभ के तत्काल पहले लागू

प्राप्तेज इन विनियमों में घस्तविष्ट किसी भी मामले के लिए जहाँ तक कि इसमें उपबंधित है, का परिचालन बन्द हो जाएगा।

(2) प्रचालन की ऐसी समाजिक वाक्यवृद्धि पुराने नियम, संकल्प या धारेश के अन्वयन की गयी कोई बात या कार्रवाई को ऐसा मान लिया जाएगा कि इसे इन विनियमों के संबंधित उपबंधों के अन्वयन ही किया गया है।

[फा. सं. पी. आर—12016/17/86--पी ई--आई]
योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (चिकित्सा)

सेवा और इस्लाम) विनियम, 1986 के

विनियम 14 के अन्तर्गत वाका प्रपत्र

वक्त सलाहकार एवं मुख्य अधिकारी,

(विभागाध्यक्ष, अनुभाग और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से)

नाम

पद नाम

वेतनमात्र

पद्धतान पत्र सं.

विभाग

परिवार धोषणा कार्ड सं.

स्थानीय पता—

उम्र

लिंग

भाता पिता के नाम (1) —————

(2) —————

(3) —————

सम्पर्क (1) —————

(2) —————

(3) —————

वाले का विवरण—

- (i) वाचा क्य हेतु
- (ii) अस्पताल प्रभार हेतु
- (iii) नर्सिंग होम प्रभार हेतु — — —
- (iv) विशेषज्ञ शुल्क हेतु
- (v) बैयक्टिक डाक्टर के आगम के शुल्क हेतु
मु. चि. अ. इत्यारा प्राधिकृत इलेक्शन हेतु

पौङ्क— ८०

मैं अनुरोद करता हूँ कि मुझे नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य राशि की प्रतिपूति की जाए।

मैं ओषणा करता हूँ कि रोगी/रोगियों के नाम (1)
(2)

मेरे साथ रहते हैं और मूल पर पूर्णतया आधित हैं। अस्पताल/नर्सिंग होम/में भर्ती विशेषज्ञ को विखाने हेतु मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी की पूर्व उत्तरवर्ती अनुमति से ली गयी थी।

संलग्न वातवरों की संख्या

विनांक हस्ताक्षर या कर्मचारी के बाये हाथ के अंगूठे का निशान मु० चि० घ०

अग्रेषित प्रमाणित किया जाता है कि रोगी/रोगियों के नाम प्रार्थी के परिवार के सदस्य होने की धोषणा की गयी है और चिकित्सा सेवा नियम के अन्तर्गत इस कार्यालय द्वारा जारी पहचान पत्र में तबनुसार दर्ज किया गया है।

विभागाध्यक्ष/अनुभागाध्यक्ष का हस्ताक्षर

विष्णु मलाहकार एवं मुख्य लेखा प्रधिकारी

इसाज ईक है निर्धार्य गर्यां दक्षाएं नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य है। अस्पताल/नर्सिंग होम/ में भर्ती/विशेषज्ञ को विखाने हेतु मैंने प्राधिकृत किया था।

विनांक ——————

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी

*जो लागू न हो उन्हें काट दें।

लेखा प्रधिकारी, किंज लाय उप-अनुभाग के अस्पताल न. —————— के लिए प्राप्ति विल पारित किया गया।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June, 1989

G.S.R. 610 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Employees (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 1989 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Calcutta Port Trust Employees' (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 1989

CHAPTER I

PRELIMINARY

Preliminary.—In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act 38 of 1963) the Board on Trustees of the Port of Calcutta hereby makes the following regulations, namely :—Calcutta Port Trust Employees' (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 1989.

Regulation 1—Short Title.—These regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees' (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 1989.

Regulation 2—Extent of Application.—These Regulations except those contained in Chapter VI shall apply to all the employees of the Board of Trustees for the Port of Calcutta who are in whole time employment of the Board of Trustees for the Port of Calcutta when they are on duty, leave or foreign service in India or when under suspension. Regulations contained in Chapter VI (i.e. Regulations 16, 17, 18 and 19) shall apply to retired employees.

NOTE 1.—These Regulations do not apply to :—

- (i) Employees of the Board of Trustees for the Port of Calcutta who are on leave or deputation abroad,
- (ii) These Regulations apply to :—
 - (a) Employees of the Board of Trustees for the Port of Calcutta on their re-employment under the service of the Board of Trustees for the Port of Calcutta, irrespective of the service to which they belonged at the time of retirement;
 - (b) A probationer.

(c) Apprentices who are in the whole time service of the Board of Trustees for the Port of Calcutta.

NOTE 2.—In regard to medical concessions, the employees of the Board of Trustees for the Port of Calcutta while on deputation will be governed by the Regulations of the borrowing organisations. The borrowing organisations may, however, if they so desire, apply the Regulations of the Board of Trustees for the Port of Calcutta to such deputationists.

NOTE 3.—The concessions granted under these Regulations to employees of the Board of Trustees for the Port of Calcutta are applicable to their families as well, subject to such conditions or exceptions, as specified in these Regulations.

Regulation 3.—Definitions.—In these Regulations unless the context otherwise requires :—

- (a) "Board" shall mean the Board of Trustees for the Port of Calcutta.
- (b) "Chairman" shall mean the Chairman for the time being of the Board of Trustees for the Port of Calcutta.
- (c) "Deputy Chairman" shall mean the Deputy Chairman for the time being of the Board of Trustees for the Port of Calcutta.
- (d) "Authorised Medical Attendant" shall mean the Chief Medical Officer or the Chief Physician, Chief Surgeon or Medical Superintendent, a Senior Medical Officer or a Medical Officer under the employ of the Board as may be nominated by the Chief Medical Officer for the purpose of attendance on and treatment of employees and their dependent family members.
- (e) "Chief Medical Officer" shall mean the Board's Chief Medical Officer or any other Medical Officer authorised in his behalf.
- (f) "Board's Hospital" shall mean the Hospitals or Dispensaries maintained by the Board.
- (g) "Nurse" shall mean a qualified Nurse holding a certificate or diploma registered under the State Medical Faculty.
- (h) "Private Doctor" shall mean a registered medical practitioner other than a Medical Officer in the employ of the Board qualified in the Allopathic system of medicine but does not include a practitioner in Ayurvedic, Unani or Homoeopathic and any other indigenous systems of medicine.
- (i) "Public Hospital" shall mean a State Hospital or a State aided Hospital.
- (j) Medical Attendance in relation to an authorised medical attendant shall mean attendance in his consulting room or the Board's Hospital or Dispensaries to which he is attached or at the residence of the Board's employee, including such pathological, bacteriological, radiological or other methods

of examination for the purpose of diagnosis as are available in the Board's Hospital or Dispensaries or consulting room and are considered necessary by the Authorised Medical Attendant. It also includes such consultation with a Specialist, as the Chief Medical Officer certifies to be necessary to such extent and in such a manner as the Specialist may, in consultation with the Chief Medical Officer determine.

NOTE 1.—“Medical Attendance” includes attendance at the Board's Hospital|Dispensary or at the residence of the Board's employees or at the consulting room of the authorised medical attendant whether maintained at the Hospital or at his own residence, by arrangement with him.

NOTE 2.—The term “consulting room maintained by an authorised medical attendant at a Hospital” means consulting room at his residence allotted to him in the Hospital compound and that no authorised medical attendant should charge any fee for attendance upon or professional service rendered to any person whether an employee of the Board or a member of his family, at the Hospital premises during Hospital|Dispensary hours.

NOTE 3.—Where a patient after being cured of a particular illness develops a “fresh” illness and consults the same physician, that consultation should be regarded as a “fresh consultation” and may be charged at full rates.

NOTE 4.—Where a patient consults the same physician in regard to super-imposition of another disease during the course of treatment for one disease, that consultation should be regarded as a “fresh consultation” and charged for at full rates.

- (k) “Patient” shall mean a Board's employee to whom these Regulations apply and who has fallen ill.
- (l) “External Medical Service Unit” shall mean the unit under the Board's Chief Medical Officer which is comprised of Board's Medical Officers who attend to employees and their dependent family members at their residence.
- (m) “Hospital Charges” shall mean actual amount at the scheduled rates realised by a Hospital from an employee for treatment in the in-patient ward inclusive of pathological, bacteriological, radiological and cardiological examinations and includes cost of private nurses|attendants as may be engaged on the recommendation of the Chief Medical Officer.
- (n) “Nursing Home Charges” shall mean the actual amount of the scheduled rates realised by the Nursing Home from an employee for accommodation, medicines, nursing, such pathological, bacteriological, radiological and cardiological examinations as are authorised by the Trustees' Chief Medical Officer.

- (o) “Treatment” shall mean the use of all medical and surgical facilities available at the Board's Hospital in which the employee is treated and includes:
 - (i) The employment of such pathological, bacteriological, radiological or other methods as are considered necessary by the authorised medical attendant.
 - (ii) The supply of such medicines, vaccines, sera or other therapeutic substances, as are ordinarily available in the Board's Hospital.
 - (iii) Supply of such medicines, vaccines, sera or other therapeutic substances not ordinarily so available, as the authorised medical attendant may certify in writing to be essential for the recovery of the patient or for the prevention of serious deterioration in the condition of the patient except the items mentioned below, namely :
 - (a) Preparations which are not medicines but are primarily foods, tonics, toilet preparations or disinfectants, and
 - (b) Expensive drugs, tonics, laxatives or other elegant and proprietary preparations for which drugs of equal therapeutic value are available,
 - (c) Such accommodation as is ordinarily provided in the Hospital,
 - (d) Such nursing as is ordinarily provided to inpatients in the Board's Hospitals.

NOTE—1.—Charges for an attendant (including an Ayah) are not reimbursable under these Regulations.

NOTE—2.—In serious cases private nurses|attendants may be engaged in hospitals or nursing homes with the prior approval of the Chief Medical Officer. It is, however, open to the Chief Medical Officer, if he is satisfied, to give his approval subsequent to engagement in emergent cases. The cost of engagement of private nurses|attendants will be borne by the Board to the extent as provided for in Regulation 11 (c) (d) provided such engagement is certified by the Chief Medical Officer.

Chapter—II—Extent of Medical Facilities

Regulation—4.—Facilities of Medical Attendance.—(i) An employee shall be entitled, free of charge to medical attendance by the authorised medical attendant.

(ii) Employees living in such Board's quarters or other areas as may be notified from time to time shall be eligible for medical attendance at their residence by the Board's medical officers when the illness is so severe that the patient cannot attend at any of the Board's hospitals or dispensaries.

In emergent cases until one of the Board's medical officers has taken charge of the case, a private doctor may be called in but the reimbursement of expenditure incurred for medical attendance shall be

subject to the condition that the case has been reported to the External Medical Service Unit at the earliest possible opportunity and in any case not later than 24 hours from the time the private doctor has been called in. Half the fee of the private doctor subject to a maximum of Rs. 10 per day or such amount as may be sanctioned by the Board from time to time shall, on certification by the Chief Medical Officer be reimbursed by the Board.

(iii) Employees not living in the Board's quarters or areas as referred to in Sub-regulation (ii) above shall be entitled to receive medical attendance at their residences from the private doctor of their choice if the illness is so severe that the patient cannot go to any of the Board's hospitals or dispensaries. In case of any doubt as regards severity of the illness, the decision of the Chief Medical Officer shall be final. In such cases, half the fee of a private doctor subject to a maximum of Rs. 10 per day or as may be revised from time to time by the Chairman shall, on certification by the Chief Medical Officer, be reimbursed by the Board.

(iv) Where an employee himself is suffering from an illness, which does not necessitate absence from duty, he shall attend at the out-patients' Ward of the Board's Hospitals or dispensaries.

Regulation—5—Facilities of Medical Treatment.—An employee of the Board shall be entitled free of charge, to treatment—

(i) At any of the Board's Hospitals|Dispensaries. Admission to the in-patient ward shall be restricted to the employees but members of their families may also be admitted, subject to the availability of beds. The testing and treatment of ambulatory eye cases, treatment of ambulatory dental cases and the treatment of ambulatory ear, nose and throat cases shall be done at the Board's Hospitals.

(ii) Employees living in Board's quarters or other areas as referred to in Sub-regulation (ii) of Regulation 4 shall be eligible for treatment at their residences by the Board's medical officers when the illness is so severe that the patient cannot attend at any of the Board's hospitals|dispensaries. In emergent cases until one of the Board's Medical officers has taken the charge of the case, a private doctor may be called in, but the reimbursement of medical expenses incurred for the treatment shall be subject to the condition that the case has been reported to the External Medical Service Unit at the earliest possible opportunity and in any case not later than 24 hours from the time the private doctor had been called in.

(iii) Employees not living in Board's quarters or areas as referred to in Sub-regulation (ii) of the Regulation 4 shall be entitled to receive medical treatment at their residence from the private doctors of their choice if the illness is so severe that the patient cannot go to any of the Board's hospitals or dispensaries. In case of any doubt of severity of the

illness the decision of the Chief Medical Officer shall be final. The cost of medicines and any pathological, bacteriological, cardiological and radiological examinations as may be required will be reimbursed in full on the certification of the Chief Medical Officer.

- (iv) Where an employee himself is suffering from an illness which does not necessitate absence from duty he shall attend at the out-patients' ward of the Board's hospitals or dispensaries for treatment.

Regulation—6.—Facilities of medical attendance and treatment during official tour etc.—(1) An employee who falls sick while on leave shall be entitled to medical attendance and medical treatment to the same extent as he would have been entitled to had he fallen sick while on duty provided the employee continues to live at the place from where he attends office.

(2) An employee while on official tour or while on leave for availing of leave travel concession shall be entitled to full reimbursement of medical expenses including the cost of hospitalisation, nursing home engagement of a private nurse|attendant subject to the limit laid down in Regulation 11(c)(d) and cost of medicines and other diagnostic examinations subject to production of appropriate certificate from a doctor not below the rank of Civil Surgeon or from a Government Hospital. In such cases, it will be necessary to obtain the certification of the Chief Medical Officer that such medical attendance, treatment|hospitalisation etc. was necessary to save the life of the employee.

Regulation—7.—Admission to a Nursing Home|a Cabin in Public Hospital.—An employee may be admitted to a nursing home or a paying bed or a cabin in a public hospital in emergent cases with the prior approval of the Chief Medical Officer. The cost of treatment in a nursing home|public hospital including medicines, accommodation, fees, nursing expenses subject to the ceiling laid down Regulation 11(C) and other diagnostic expenses, viz. pathological, bacteriological, cardiological and radiological tests and other expenses, viz. cost of blood, saline or other drips, dressing etc. as may be necessary shall be borne by the Board on the certification of the Chief Medical Officer in the following cases :—

- (a) Where the admission of an employee into Nursing Home or into paying bed or into a cabin in a public hospital is arranged by the Chief Medical Officer in view of lack of adequate facilities in Board's Hospitals.
- (b) Where such admission is initiated by the employee himself or his family members but with the prior approval of the Chief Medical Officer.
- (c) Where such admission is initiated by the employee or his family members, in an emergency and the Chief Medical Officer subsequently certifies that such admission was necessary in order to save the life of the patient.

Regulation—8.—Reference to Specialists.—With the prior approval in writing of the Chief Medical Officer, a patient may be referred to a Specialist if in his opinion the disease is so serious or of such a special nature that consultation and/or treatment by a Specialist is necessary. If the patient is too ill to travel, the Specialist may be called in to attend the patient at the latter's residence. A memo will be issued by the Chief Medical Officer which should be returned to him duly countersigned by the Head of the Department when claiming recoupment of the Specialists fees. The Chief Medical Officer may require the patient to appear before him during the course of the treatment under the Specialist and if he|she fails to do so except on valid grounds, reimbursement of the expenses incurred shall not be made.

The decision of the Chief Medical Officer as regards the selection of Specialist shall be final.

Chapter—III—Concession of Medical attendance and treatment for families of the Board's employees.

Regulation—9.—Medical Attendance and Treatment for families of the Board's employees.—Families of the Board's employees are entitled to medical attendance and/or treatment on the scale and conditions allowed to the Board's employee himself as enumerated in Chapter-II.

NOTE—1.—The provision of this Regulation apply mutatis mutandis for female employees of the Board also.

NOTE—2.—The authorised medical attendant of the family of an employee is the same as the authorised medical attendant of an employee.

Regulation—10.—Definition of the term 'Family'.—The term 'Family' for the purpose of the Calcutta Port Trust Employees' (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 1989 shall mean an employee's wife or husband, as the case may be, and residing with him|her and parents, children and step children not over 28 years of age and unmarried daughters wholly dependent upon the employee and residing with him|her.

Explanation :

- (a) (i) The term 'Family' does not include any other dependent relations, such as brother, sister, widowed sister etc. The term 'parents' does not include 'step parents'.
- (ii) The term 'children' shall include children adopted legally.
- (iii) The term 'wife' includes more than one wife.
- (iv) A family member shall be regarded as "wholly dependent" on an employee if his|her total recurring monthly income from all sources does not exceed Rs. 250 per month subject to revision of the same by the Chairman from time to time. The declaration regarding the income of wholly dependent family members shall be furnished by the employee concerned once in the beginning of each calendar year.

(v) A female employee will be given the choice to include either her own parents or her parents-in-law for the purpose of availing of the benefits of the medical concession under these regulations provided such parents|parents-in-law are wholly dependent on her and are residing with her.

(b) The husband or wife of the employee, as the case may be, employed in the State Government or in the Defence, Railway services or Corporations Bodies financed partly or wholly by the Central or the State Government, local bodies and private organisations, which provide medical services would be entitled to choose either the facilities under the Calcutta Port Trust Employees' (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 1989 or the medical facilities provided by the organisation in which he|she is employed.

(c) In a case where both husband and wife are Board's employees, they as well as the eligible dependents may be allowed to avail of the medical concession according to his|her status. For this purpose, they should furnish to their respective Heads of Departments a joint declaration as to who will prefer the claim for reimbursement of medical expenses incurred on the medical attendance and treatment in respect of wife|husband and the children. The above declaration shall be submitted in duplicate and a copy shall be forwarded to the Accounts Department. This declaration shall remain in force till such time it is revised on the express request in writing by both the husband and the wife, e.g. in the event of promotion, transfer, resignation etc. of either of the two. In the absence of such a joint declaration, the medical concessions shall be availed of by the wife and the children according to the status of the husband.

Chapter IV—Extent of reimbursement and procedure for submitting claim for reimbursement.

Regulation—11 — Reimbursement.—Reimbursement (A) : All medicines including salines or any kind of drips, blood, oxygen and other life saving appliances including pace-maker, pulse generator prescribed by the Board's Medical Officer or by specialists consulted on the advise of the Chief Medical Officer, shall be supplied free of cost from the Board's dispensaries, but any such item not available at the Board's dispensaries or medicines prescribed by a private doctor under Sub-regulations (ii) and (iii) of Regulation 5 and medicines prescribed by the nursing home or the hospital authorities, where a patient has been admitted with the approval of the Chief Medical Officer, may be purchased and the Board shall, on certification by the Chief Medical Officer, reimburse the cost. The Board shall not reimburse the cost of appliances including those in respect of deformity of the body. In case of doubts or difference of opinion arising in respect of any of the above matters, the opinion of the Chief Medical Officer shall be final.

NOTE.—An employee of the Board and his|her dependant members of family as defined in regulation 10 may be provided with pace-maker and replacement of its pulse generator as required on certification

by the Chief Medical Officer. But the payment of initial supply of heart Pace-maker as well as replacement of the pulse generator shall in all cases be made direct to the supplying agency and not direct to the employee concerned.

(B) : Half the fee of the private doctor subject to the maximum of Rs. 10 per day or such amount as may be sanctioned by the Board from time to time will be reimbursed under sub-regulation (ii) and (iii) of Regulation 4.

(C) : Extent to which the Board shall bear the expenditure incurred by employees :

All employees will be reimbursed to the extent as shown below in respect of the following expenditure provided the same was incurred with the approval of the Chief Medical Officer and provided further the claim to such reimbursement is supported by requisite vouchers :—

- (a) Hospital charges at the rates charged by a Government Hospital or a Government aided Hospital.
- (b) Nursing Home charges as admissible in cases falling under Regulation 6(2) and 7 subject to a ceiling of Rs. 100 per day, provided, however, where Nursing Home Charge has to be paid in excess of Rs. 100 per day, 2/3rds of such charge in excess of Rs. 100 shall also be reimbursable. Provided, further, that Nursing Home charges shall be reimbursable in full in case of an employee injured on duty for undergoing treatment in a Nursing Home.
- (c) Specialist's fees subject to a ceiling of Rs. 50 per visit. In case of injury on duty, however, specialist's fees shall be reimbursable in full.

NOTE.—Where the employee, who is entitled to receive treatment from a private doctor of his choice under the regulations, calls in a specialist without the prior approval of the Chief Medical Officer, the Specialist shall be treated as a general physician and the reimbursement of the cost of fees of the Specialist will be reimbursed to the extent as provided for under Regulation 11(B).

- (d) Private nurse's|Attendant's fee|charges not exceeding Rs. 20 per shift for engagement of a private nurse and Rs. 10 per shift for engagement of a private attendant or such amount as may be fixed by the Board may be reimbursed as recommended by the Chief Medical Officer. If a private Nurse|Attendant is engaged for a period exceeding one week, the special sanction of the Chairman or Deputy Chairman will be required to the reimbursement of the expenses.
- (e) Charges for X-Ray examination or for pathological and similar test carried out by the outside doctors and institution, the amount of reimbursement will be limited to the amount charged by Government Hospitals had such examinations and tests been carried out in Government Hospitals.

(D) : Extension of time limit for submission of medical bills.

Claims for reimbursement of medical expenses must be preferred by an employee within 6 months from the date of completion of treatment. The Chairman or the Deputy Chairman may extend this time-limit in individual cases depending on the merits of the case.

(E) : All medicines should be purchased latest by one week from the date of purchase order issued by the authorised medical attendant. This time-limit may be extended by the Chairman or Deputy Chairman depending on the merits of the case.

Regulation-12—Ambulance facility.—The Board's ambulances may be supplied free to convey non-ambulatory and emergent cases from the residences of employees where such employees reside in the areas|Board's quarters as mentioned in regulation 4(ii) or places of work of the employees to the nearest public hospital or to any of the Board's hospitals or dispensaries, as the case may be.

Ambulance will not be supplied to convey any patient from the hospital to his/her residence or to convey any patient to and from the Hospital as a part of routine treatment.

Regulation-13—Reimbursement of bills relating to injury on duty.—In the case of employees injured on duty all expenses incurred in connection with the medical treatment of such employees inclusive of the cost of false denture, spectacles, artificial limbs and allied appliances may be reimbursed on the recommendation of the Chief Medical Officer

Regulation-14—Procedure to be adopted by an employee for obtaining reimbursement of medical expenditure.—(1) Claims from reimbursement shall be submitted by the employees in the prescribed form to their Sectional Officers duly supported by the following vouchers within six months from the date of completion of treatment :

- (i) Vouchers for purchase of medicines —
 - (a) Original prescriptions,
 - (b) Cash vouchers,
 - (c) Purchase orders endorsed on prescriptions by the Board's Medical Officer.

NOTE.—(a) Purchase of proprietary medicines and injections must be vouch safed by submission of printed cash memo or bill in proper form.

(b) Each prescription for mixture and/or powder should contain the number as recorded in the prescription register of the dispensary from where supplies have been obtained.

(c) Cross reference of prescriptions of private physicians or purchase orders given on the prescriptions of the Board's Medical Officers should be given in the relative cash memo, i.e. each item of a cash

memo should be linked up with the relative prescription or purchase order.

(ii) For hospital charges :—

- (a) Hospital bill and receipt for payment,
- (b) Hospital admission and discharge certificates,
- (c) The Chief Medical Officer's written permission for admission.

(iii) For Nursing Home charges :—

- (a) Nursing Home bill and receipt,
- (b) The Chief Medical Officer's written permission for admission in a Nursing Home.
- (c) Bill and receipt for pathological, bacteriological and radiological examination and cost of medicines.

(iv) For Specialist's fees :—

- (a) The Chief Medical Officer's memo for reference to a Specialist.
- (b) Bill and receipt.

(v) For private Doctor's fees :—

- (a) Bill on the Doctor's letterhead showing dates of visit.
- (c) Certificate of severity of illness stating particulars of disease.
- (c) Receipt for fee for injections, and
- (d) Bill for receipt for pathological, bacteriological and radiological examinations.
- (e) The written instructions of the Board's Medical Officer.

(vi) For private nurse|attendant's fees :—

- (a) Private Nurse|Attendant's bill and receipt.
- (b) Written instruction of the Chief Medical Officer.

whether the treatment is in order and also whether the medicines prescribed are admissible. He will then pass the claim on to the Financial Adviser & Chief Accounts Officer. In the latter's office, the claims will be further checked with relevant vouchers and seen whether they are in accordance with the provisions of the Regulations. The amount to be reimbursed to the employee will then be calculated and a bill will be passed by the Financial Adviser & Chief Accounts Officer with due intimation to the Section concerned for the issue of a pay order in favour of the employee. Appropriate medical bill registers will be maintained in the offices of the Chief Medical Officer and the Financial Adviser & Chief Accounts Officer.

NOTE.—In the case of treatment of an employee or his dependent family members by Board's Medical Officers, claims for reimbursement of medical expenses will be submitted by the concerned employee to his department with supporting prescriptions and vouchers etc. The concerned department will thereafter raise G-20 bill which will be paid to the employees by the Financial Adviser & Chief Accounts Officer after necessary processing.

(2) If a bill is lost in transit.

- (i) The Sectional Officer shall certify the amount of the bill, when the bill was actually forwarded to the Chief Medical Officer, whether any pay order has been issued in favour of the applicant in respect of that bill and other relevant particulars for the purpose.
- (ii) The Chief Medical Officer shall certify whether the bill was received by his department, whether the bill was examined by any of his Officers and whether any adverse or otherwise remarks were given on the bill, and
- (iii) The Financial Adviser & Chief Accounts Officer shall certify whether such a bill was passed for payment by his department or not. After the necessary certificates are received from the Chief Medical Officer and the Financial Adviser & Chief Accounts Officer, a duplicate bill with or without duplicate vouchers shall be sent by the Sectional Officer along with those certificates to the Secretary through the Financial Adviser & Chief Accounts Officer for obtaining the sanction of Chairman or Deputy Chairman to the payment in part or full, as the case may be.

On receipt of a claim, the Sectional Officer concerned will note down the relevant details in the medical bill register maintained in his section and thereafter forward the claims to the Chief Medical Officer excepting the cases where treatment has been done by Board's Medical Officer with an endorsement indicating whether the employee was on leave or not, during the period of treatment. The Chief Medical Officer will, after necessary scrutiny, certify

CHAPTER V—Exclusion of certain diseases and treatment

Regulation-15—Exclusion of certain diseases and treatment.—The following diseases and treatment are excluded from the scope of these regulations.

- (i) Childbirth and conditions arising out of or directly attributable to pregnancy and childbirth.
- (ii) Lunacy—provided that other mental diseases may be treated if in the opinion of the Chief Medical Officer the diseases may be cured by medicine only within a reasonable time.
- (iii) Leprosy—provided that the cost of specified drugs prescribed by the Premananda Leprosy Dispensary or the School of Tropical Medicine, Calcutta may be reimbursed on the written recommendation of the Chief Medical Officer.
- (iv) Acute infectious diseases requiring segregation viz. cholera, small-pox, plague, tetanus, rabies, acute anterior polyomyelitis, cerebrospinal meningitis etc. Cases of diphtheria may be treated only if hospitalisation in the relevant wards or any of the public hospital cannot be arranged.
- (v) Malignant diseases like Carcinoma, sarcoma etc.

Provided that if in the opinion of the Chief Medical Officer there is a reasonable chance of the patient's recovery within a short period, treatment may be undertaken.

- (vi) Diseases which are attributable to intemperate habits and conduct of the patient.
- (vii) Venereal diseases (acute).

NOTE.—(1) The employees are entitled to anti-tuberculosis treatment at Board's hospitals and dispensaries as earmarked by the Chief Medical Officer. There are provisions of indoor treatment of the employees at K. S. Roy Hospital, Tuberculosis Relief Association and Netaji Subhas Chandra Sanatorium, Kalyani or at any other institution where a number of beds are being maintained by the Board.

For the eligible dependent family members anti-tuberculosis treatment is only provided at CPT Hospital Outdoor and Dock Hospital Chest Clinic (Outdoor).

(2) In case of any doubt or difference of opinion in respect of any of the above matters, the opinion of the Chief Medical Officer shall be final.

(3) The facilities for treatment of ailments requiring the following operations are not yet widely established in India—

- (i) Cadaver kidney transplant.
- (ii) Old operated bye-pass surgery cases (in which the initial operation was done abroad) needing re-vascularisation.
- (iii) Bone-marrow transplant.
- (iv) Operative correction of high myopia cases.
- (v) Congenital cyanot i.e. heart disease.

Expenditure incurred for overseas treatment of the ailments of an employee requiring the above operations may be reimbursed to the extent as may be recommended by a Medical Board constituted for the purpose of making such recommendations. The Board shall consider whether the operations are required to be undergone. In cases where facilities for such operations are not available in India, the Medical Board shall assess the expenditure that might have been necessary to incur had such facilities been established fully in India and the expenditure that may be reimbursed shall be restricted to such amount of expenditure as assessed by the Medical Board. The composition of the Medical Board shall be such as may be decided by the Chief Medical Officer and may include, besides the Chief Medical Officer, a specialist in the concerned field. The medical Board shall also record its opinion as to whether facilities for undergoing the above operations exist in India or not.

NOTE.—For removal of doubt it is expressly provided that the cost of passage to any foreign country in case the employee chooses to avail of facilities in a foreign country for undergoing the operation shall not be reimbursed.

Chapter-VI—Medical Facilities to retired employees

Regulation-16—Medical facilities to retired employees who have proceeded on leave preparatory to retirement.—(1) The employees who have retired or proceeded on leave preparatory to retirement after rendering service under the Board for at least five years will be entitled to avail of certain restricted contributory medical benefits on their own option and on payment of the prescribed fees. Such medical benefits will cover only the individual retired employee himself/herself, the employee on leave preparatory to retirement and his wife/her husband (hereinafter called the patient).

(2) The patient will have to make a declaration in writing that he/she and his/her wife/husband propose to avail of the benefits on voluntary basis and will

be willing to pay such monthly amount as may be prescribed from time to time. It will be open to the patient to declare that he|she alone and not his/her wife|husband will avail of the benefit. If at any time any such patient wishes to withdraw subsequently, he|she may do so only from the end of that current financial year. In the event of death of the patient, his wife|her husband may at her|his option continue to avail of the facilities on payment of the prescribed contribution. Widows of employees dying in harness may also be permitted to avail of these medical benefits on payment of the prescribed charges.

(3) The benefits will be limited to treatment at the Out-patients' Departments of the Board's Hospitals and Dispensaries in the same manner as regular employees of the Port are treated there. Costly and patent medicines will not be supplied to the patients, nor will the cost of medicines which may have to be purchased by them on the Board's Medical Officers' prescription be reimbursed by the Board.

(4) Specialised treatment including laboratory and X-ray facilities in Board's Hospitals and Dispensaries may also be provided to the extent possible on payment of specific charges as may be prescribed from time to time.

Contribution will have to be made for the benefits on the following basis :

- (i) Retired Class IV employees—Rs. 2 per month.
- (ii) Retired Class III employees—Rs. 4 per month.
- (iii) Retired Class II employees—Rs. 6 per month.
- (iv) Retired Class I employees—Rs. 8 per month.

Only half the above amounts will be payable if the patient avails of the facilities for himself|herself and not for his|her wife|husband.

These rates may be modified by the Board at their discretion from time to time. The modified rates will ordinarily be brought into effect from 1st April next following modification.

Regulation-17—Procedure.—The persons opting for medical facilities under Regulation 16 shall apply to the Chairman through their respective Heads of Departments in which they were employed before retirement/before they proceeded on leave preparatory to retirement.

The Board may prescribe a form of application for the purpose.

The persons concerned may be required to take a suitable identity card from the Board for which a

charge of Rs. 2 or such rate as prescribed by the Chairman will be recoverable. The identity card will have to be surrendered to the Board when any of the persons availing of these benefits wishes to withdraw from it. If the Identity Cards are lost, duplicate will be issued only on payment of Rs. 5 or such amount as may be prescribed by the Chairman.

The persons concerned will have to make payment of their contribution in advance for six months at a time.

The Board will have the discretion to suspend or discontinue or modify the benefits at any time.

If any question arises about the scope of these benefits or interpretation of any of the above clauses, the decision of the Chairman shall be final.

Regulation-18—Facilities for extending medical benefits to retired employees|employees on leave preparatory to retirement (Indoor Treatment).—The facilities for providing indoor medical benefits to the retired employees should be contributory and that employees opting for it should make a monthly contribution at a rate to be decided upon by the Board throughout their entire service, i.e. from the date of appointment till their retirement or for 25 years, which is higher. Employees who are already in service and are on the verge of retirement may also be allowed to opt for the facilities provided they are willing to make a lump sum contribution at the rate as may be decided upon by the Board for their entire service period or for 25 years whichever is higher.

Regulation-19—Continuance of medical treatment beyond the date of superannuation of an employee.—The Chief Medical Officer may continue the treatment of an employee upto three months beyond the date of superannuation or the date on which an employee proceeds on leave preparatory to retirement without approval of the Chairman or Deputy Chairman and he shall take the approval of the Chairman or Deputy Chairman within the said period of three months if he finds it necessary to continue the treatment beyond that period.

Chapter-VII—Miscellaneous

Regulation-20—Decision of the Chairman shall be final.—Except where specifically provided for otherwise, the decision of the Chairman on all questions arising out of these regulations shall be final. He may disallow payment of any claim for recovery of medical expenses under these regulations if he considers that there is an element of doubt regarding the genuineness of the claim. Notwithstanding anything contained hereinbefore, the Board may, at his discretion, relax any of the regulations mentioned in deserving cases.

Regulation-21—Repeal and Savings.—(1) On the commencement of these regulations, every rule, regulation, resolution or order in force immediately before such commencement shall, in so far as it provides for any of the matters contained in these regulations, cease to operate.

(2) Notwithstanding such cessation of operation, anything done or any action taken under the old rule, resolution or order shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations.

[F. No. PR-12016/17/86-PE-1]
YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

CALCUTTA PORT TRUST

FORM OF CLAIM UNDER REGULATION 14 (i) OF THE CALCUTTA PORT TRUST EMPLOYEES'

(Medical Attendance & Treatment)

Regulations, 1986.

The Financial Adviser and Chief Accounts Officer,
(Through the Head of Department, Section and the Chief Medical Officer)

Name _____

Designation _____ Scale of pay _____

Identity Card No. _____ of Department _____

Family Declaration Card No. _____

Local Address _____

Age	Sex
-----	-----

Name/sof patient/s (1) _____

(2) _____

Relationship (1) _____

(2) _____

(3) _____

Details of Claims:— Rs. P.

(i) for purchase of Medicines

(ii) for Hospital charges

(iii) for Nursing Home charges.

(iv) for Specialists' fees.

(v) for Private Doctor's fee.

for visits

for injections authorised by CMO

To-day Re.

I request that I may be reimbursed with the amount admissible under the Rules.

I declare that the patient/patients (Name) (1) _____
 _____ (2)
 (Relationship) (1) _____ (2)
 I am residing with and wholly dependent on me.* The admission into Hospital/Nursing Home/Reference to Specialists was made with the C.M.O.'s prior/subsequent approval.

Number of vouchers enclosed _____

Date _____ Signature or Left Thumb Impression of Employee

C.M.O.

Forwarded Certified that the patient/patients named in the claim has/have been declared to be members of the applicant's family and Registered accordingly [in the Identity Card issued by this office under the Medical Attendance Rules.

Signature of Head of Department/Section.

F.A. & C.A.O.

Treatment is in order. Medicines prescribed are admissible under the Rules.* Admission into Hospital/Nursing Home/Reference to Specialists was authorised by me.

Date _____

Chief Medical Officer.

*Strike out whichever is in applicable.

Recoupment bill passed for Rs. _____ under Accounts Officer, Fringe Benefits Sub-section.

